Date
Page

1	सम्पूर्ण - सम्पूर्ण	1 x 1	=	1 राग
2	सम्पूर्ण - षाडव	1 x 6	=	6 राग
3	सम्पूर्ण - आडव	1 x 15	=	15 राग
4	षाडव - सम्पूर्ण	6 x 1	=	6 राग
5	षाडव - षाडव	6 x 6	=	36 राग
6	षाडव - औडव	6 x 15	=	90 राग
7	औडव - सम्पूर्ण	15 x 1	=	15 राग
8	औडव - षाडव	15 x 6	=	90 राग
9	औडव - औडव	15 x 15	=	225 राग
		कुल -		484 राग

इस प्रकार हम देखते हैं कि एक थाट से 484 राग बनते हैं क्योंकि पं० व्यंकटमुखी ने 72 थाट माने हैं। पर यह गिनती केवल गणित के हिसाब से ठीक है। असल में प्रयोग में नहीं है। राग के नियम देखने से स्पष्ट होता है कि राग में रंजकता की जरूरत होती है।